संज्ञा

संज्ञा

- संज्ञा के तीन भेद हैं-

1. व्यक्ति वाचक संज्ञा
2. जातिवाचक संज्ञा
3. भाववाचक संज्ञा

संज्ञा के भेद
व्यक्तिवाचक संज्ञा
जातिवाचक संज्ञा
भाववाचक संज्ञा
समूहवाचक संज्ञा
द्रव्यवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द मैं किसी विशेष व्यक्ति ,प्राणी ,वस्तु अथवा स्थान का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है।

जैसे ;महात ांधी ाल

लक्ष्मी बाई ।

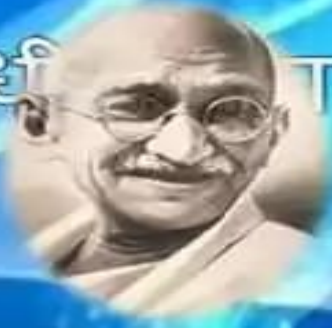

जातिवाचक संज्ञा

- जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

भाववाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द के पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते है।

जै न र दि।

द्रव्यवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द मे कोई चीज़ के बारे मैं बताये जैसे कुर्सी कुर्सी लकड़ी से बानी है,तो इसमें लकड़ी द्रव्यवाचक है।

जै[illegible]ी,लक[illegible] आ[illegible]

समूहवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द मैं कोई झुंड हो ,जैसे चाबियों का गुच्छा उसे समूहवाचक कहते है।

जै… यों का … ना आदि